

Pharmacopoeia Commission for Indian Medicine & Homoeopathy

05 days Capacity Building Training Programme on “Quality Control and Standardization of ASU&H Drugs”

Pharmacopoeia Commission for Indian Medicine & Homoeopathy (PCIM&H), Ministry of Ayush, Ghaziabad has organized five Days Capacity Building Training programme for Drug Enforcement, Quality Control Personnel and related Research Scientist on Quality Control and Standardization of Ayurveda, Siddha, Unani and Homoeopathic drugs from 21 to 25th August 2023.

Total 18 participants from various institutes like Food and Drug Laboratory, Goa’ Directorate of Ayush, Government of Manipur; State Drug Testing Laboratory, Government of Sikkim; Food & Drug Control Administration, Gujrat; Drug Testing



laboratory and Anusandhan Kendra, Chhattisgarh; Ayush Directorarte, Jharkhand; CCRAS, Tamilnadu; National Tobacco Testing Laboratory, Noida; Central Council for Research in Siddha, Chennai; Department of Ayush, Government of Karnataka; State Drug Testing Laboratory, Haryana; Tamilnadu, Gujrat, Chhattisgarh, Jharkhand, Uttar Pradesh, Chennai, Karnataka were attended the training program.

Day 1st: Inauguration and Technical Sessions

Training program has been inaugurated by Dr. Kousthuba Upadhyaya, Adviser (Ayu), Ministry of Ayush and Dr. Raman Mohan Singh, Director, PCIM&H.



During the technical session, lectures on “How to ensure the quality in raw material of ASU&H drugs” and “Quality Control and Quality Assurance of Herbal Drugs” delivered by Dr. Nitin Rai, SO (Phg) and Dr. Lalit Tiwari, (SA), Phg, respectively.



After lectures the hands on training in the pharmacognosy laboratory has been provided to the participants.

Day 2nd: Technical Sessions

- During the day 2 session, lectures has been provided on the topics of “Regulatory Provision in D&C Act, 1940 & Rules 1945 w.r.t. Unani Medicines” by Dr. Khalid, ADC cum S.L.A. Unani Govt. of



NCT of Delhi. After that presentation made on “Quality Assessment and Current Scenario of ASU&H Drugs” by Dr. S. C. Verma, PSO (Chemistry), and “Standardization of Metal & Mineral Drugs” by Dr. Sweta Mohan, S.O.(Chemistry). After technical session hands on training on the instrumentations used in the standarization of ASU&H drugs has been provided to the participants in the chemistry section.

Day 3: Technical Sessions - The day 3 of training program has been commenced with the lectures on the topics of “Ensuring Quality in Homoeopathic Medicines: Current approaches and future Strategies” by Dr.



R. Valavan from Dr. Willmar Schwabe India Pvt. Ltd. Noida; and on “Pharmacovigilance schemes of ASAU&H Drugs” by Dr. Galib, I/c Head, Associate Prof., Dept. of Ras Shastra & Bhaishajya Kalpana (Chem.) AIIAS, New

Delhi and “Introduction to Ayush Pharmacopoeias structure & Implications” by Dr. Nikhil , SO (Ayurveda). Hands on training on techniques used in the testing of ASU&H drugs has been provided in the Chemistry section.

Day 4: Technical Sessions

- During the day 4 session, lectures has been provided on the topic of “Good Manufacturing Practices for ASU&H Drugs” and “Microbial analysis of ASU&H Drugs” by Dr. Ravindra Singh, Assistant Director (Chemistry), CCRAS, New Delhi and Dr. M. Ramesh, S.O. (Microbiology), respectively. Hands on



training on techniques used in the testing of ASU&H drugs has been provided in the Chemistry section.

training has been conducted in the microbiology section to learn the microbiological analysis of ASU&H drugs.

Day 5: Technical and Valedictory Session

On the last day of training two lectures on “Overview of ASU&H Drug Regulatory Systems and Shelf-life studies of ASU drug” by Dr. Vijay Gupta, PSO (Ayurveda) and “Need for comprehensive standardization strategies for Siddha formulations” by Dr. V. Vijaya Kumar SO (Siddha) has been delivered.

Visits of Hamdard Laboratory India, Ghaziabad and Dr. Willmar Schwabe India Pvt. Ltd. Noida were also conducted for the participants to interact with the industrial manufacturing and quality control operations of Unani and Homoeopathy drugs.

The valedictory session has been chaired by Sh. Ombir Singh Veerval (Retired IPS), Ex- Director, Department of AYUSH, Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India; Dr. G P Garg, ex Sr. Chief Chemist, Department of AYUSH, Ministry of Health & Family Welfare and Dr. Raman Mohan Singh, Director, PCIM&H. The certificates have been distributed to all the participants.



भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी भेषजसंहिता आयोग (पीसीआईएमएवंएच)

"एएसयूएवंएच औषधियों के गुणवत्ता नियंत्रण एवं मानकीकरण" पर

05 दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी भेषजसंहिता आयोग (पीसीआईएमएवंएच), आयुष मंत्रालय, गाजियाबाद ने आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी एवं होम्योपैथी औषधियों के गुणवत्ता नियंत्रण और मानकीकरण पर औषधि प्रवर्तन, गुणवत्ता नियंत्रण कार्मिक और संबंधित अनुसंधान वैज्ञानिकों के लिए पांच दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 21 से 25 अगस्त 2023 तक किया गया।

विभिन्न संस्थानों जैसे खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला, गोवा; आयुष निदेशालय, मणिपुर सरकार, राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, सिक्किम सरकार; खाद्य एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन, गुजरात;

औषधि परीक्षण प्रयोगशाला और अनुसंधान केंद्र, छत्तीसगढ़; आयुष निदेशालय, झारखंड; सीसीआरएएस, तमिलनाडु; राष्ट्रीय तंबाकू परीक्षण प्रयोगशाला, नोएडा; केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद, चेन्नई; आयुष विभाग, कर्नाटक सरकार; राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला,



हरियाणा; तमिलनाडु, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तर प्रदेश, चेन्नई, कर्नाटक आदि कार्यक्रम में शामिल हुए जिनमें कुल 18 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

पहला दिन: उद्घाटन और तकनीकी सत्र - प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन आयुष मंत्रालय के सलाहकार (आयु) डॉ. कौस्तुभा उपाध्याय और पीसीआईएमएवंएच के निदेशक डॉ. रमन मोहन सिंह द्वारा किया गया।

तकनीकी सत्र के दौरान, डॉ. नितिन राय, वै.अधि. (भेषज अभिज्ञान) और डॉ. ललित तिवारी, वै.स. (भेषज अभिज्ञान) द्वारा "एएसयूएवंएच औषधियों के कच्चे माल में



गुणवत्ता कैसे सुनिश्चित करें" और "हर्बल औषधियों की गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता आश्वासन" पर क्रमशः व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान उपरांत,

प्रतिभागियों को भेषज अभिज्ञान प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

दूसरा दिन: तकनीकी सत्र - दूसरे दिन सत्र के दौरान, डॉ. खालिद, एडीसी सह एस.एल.ए., यूनानी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा "यूनानी औषधियों के संबंध में डीएंडसी अधिनियम, 1940 और नियम 1945 में विनियामक प्रावधान"; डॉ. एस. सी. वर्मा, प्र.वै.अधि. (रसायन विज्ञान) द्वारा "एएसयूएवंएच



औषधियों की गुणवत्ता मूल्यांकन एवं वर्तमान परिदृश्य", तथा डॉ. श्वेता मोहन, वै.अधि. (रसायन विज्ञान) द्वारा "धातु एवं खनिज औषधियों का मानकीकरण" के विषयों पर व्याख्यान दिये गये। तकनीकी सत्र के बाद, रसायन विज्ञान अनुभाग में प्रतिभागियों को एएसयूएवंएच औषधियों के मानकीकरण में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

तीसरे दिन: तकनीकी सत्र - प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन की शुरुआत डॉ. विलमर शवाबे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा के डॉ. आर. वलावन द्वारा "होम्योपैथिक दवाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित करना:



वर्तमान दृष्टिकोण और भविष्य की रणनीतियाँ" विषय पर व्याख्यान के साथ की गई; डॉ. गालिब, प्रभारी प्रमुख, एसोसिएट प्रोफेसर, रस शास्त्र और भेषज्य कल्पना विभाग (रसायन) एआईआईएस, नई दिल्ली द्वारा "एएसयूएवंएच औषधियों की

फार्माकोविजिलेंस योजनाएं" और "आयुष फार्माकोपियास संरचनाओं और प्रभावों का परिचय "तथा "परिचय" आयुष फार्माकोपियासंरचना और निहितार्थ" डॉ. निखिल, वै.अधि. (आयुर्वेद) द्वारा व्याख्यान दिये गये। रसायन विज्ञान अनुभाग में एएसयूएवंएच औषधियों के परीक्षण में प्रयुक्त तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

चौथे दिन: तकनीकी सत्र -चौथे दिन के सत्र के दौरान, डॉ. रवींद्र सिंह ., सहायक निदेशक रसायन) (विज्ञान, सीसीआरएस, नई दिल्ली और डॉ. रमेश . एम .वै.अधि) .सूक्ष्म जैविकी(, द्वारा" एएसयूएवंएच औषधियों के लिए अच्छे विनिर्माण अभ्यास "तथा "एएसयूएवंएच औषधियों के माइक्रोबियल विश्लेषणविषय पर क्रमशः व्याख्यान दिए गए। "



एसयूएवंएच औषधियों के सूक्ष्मजैविक विश्लेषण को सिखाने के लिए सूक्ष्मजैविकी अनुभाग में व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।

पांचवे दिन: तकनीकी एवं समापन सत्र

प्रशिक्षण के अंतिम दिन डॉ. विजय गुप्ता ., प्र " द्वारा (आयुर्वेद) .अधि.वै.एसयूएवंएच औषधि नियामक प्रणाली और एसयू औषधि की शेल्व लाइफ अध्ययन-का अवलोकन .वी .और डॉ " विजय कुमार वैद्वारा सिद्ध फॉर्मूलेशन के लिए व्यापक मानकीकरण रणनीतियों (सिद्ध) .अधि. की आवश्यकता पर दो व्याख्यान दिए गए।

प्रतिभागियों के लिए हमदर्द लेबोरेटरी इंडिया लिमिटेड, गाजियाबाद और डॉ. विलमर श्वाबे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के दौरे का भी आयोजन किया गया।

समापन सत्र की अध्यक्षता श्री ओमबीर सिंह वीरवल (सेवानिवृत्त आईपीएस), पूर्व निदेशक, आयुष विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; डॉ. जी.पी. गर्ग, पूर्व वरिष्ठ, रसायनज्ञ, आयुष विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. रमन मोहन सिंह, निदेशक, पीसीआईएमएवंएच ने की। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किये गये।

